बिहार सरकार
स्वास्थ्य विभाग
संकल्प

विषयः– ए0ई0एस0/जे0ई0 की रोकथाम हेतु राज्य कोर कमिटि की गठन के संबंध में।

1. परिचय

पिछले कुछ वर्षों में राज्य के कई जिले मस्तिष्क ज्वर (ए0ई0एस0) से प्रभावित रहे हैं। राज्य सरकार की पहल से विशेषज्ञों की टीम ने प्रभावित जिलों का भ्रमण कर मरीजों के रक्त के नमूने इकट्ठा कर जाँच एवं शोध हेतु विभिन्न स्थलों पर भेजा गया है, परन्तु अभी तक मस्तिष्क ज्वर के कारणों का पता नहीं चल पाया है। फलतः मस्तिष्क ज्वर से पीड़ित बच्चों का इलाज लक्षणों के आधार पर किया जा रहा है। राज्य के कतिपय जिले जापानी इंसेफ्लाईटिस से भी प्रभावित हैं, परन्तु उन जिलों में सघन टीकाकरण एवं त्वरित इलाज द्वारा इस रोग की विभीषिका पर काबू पाने में सफलता मिली है।

राज्य सरकार मस्तिष्क ज्वर पीड़ितों के इलाज के लिए पूरी तरह तत्पर है। इसी क्रम में मस्तिष्क ज्वर संबंधी राज्य कार्य बल का गठन किया गया है। इस कार्य बल में राज्य के जाने–माने शिशु रोग विशेषज्ञ एवं चिकित्सकों को शामिल किया गया है। राज्य कार्य बल ने रोगियों के उपचार के लिए मानक संचालन प्रक्रिया का सूत्रण किया है, जिसमें मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार गॉव से लेकर चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पतालों तक इलाज की प्रक्रिया का विस्तृत उल्लेख किया गया है।

2. समस्या का परिमाण

यद्यपि मुजफ्फरपुर एवं गया इस रोग से सर्वाधिक प्रभावित जिले हैं, परन्तु राज्य के सभी 38 जिलों से ए0ई0एस0 की घटना सूचित की गयी है। बिहार सरकार ने इसकी रोकथाम के लिए अथक प्रयास किये हैं एवं केस फटालिटी रेट को कम करने के लिए कई कदम उठाये गये हैं। ए0ई0एस0 से प्रभावित होने के पश्चात पक्षाघात, मस्तिष्क क्षति या अन्य गंभीर स्थायी बीमारी के रूप में विकसित हो जाता है। मुजफ्फरपुर जिलों में 1 से 3 वर्ष के बच्चे ए0ई0एस0/जेई घटना से ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं, वही गया जिले में 3 से 10 वर्ष के बच्चे इससे ज्यादा प्रभावित हो रहे हैं।

3. राज्य सरकार द्वारा अब तक की गई कार्रवाई

- मरीज के नैदानिक प्रबंधन के एक महत्वपूर्ण टूल के रूप में मानक संचालन प्रक्रिया (एस.ओ.पी) विकसित किया गया है, जिससे सामुदायिक एवं अस्पताल स्तर पर ए0ई0एस0 घटना का प्रबंधन किया जा सके।
- स्वास्थ्य विभाग ने ए0ई0एस0 के लिए आपातकालीन तैयारियॉ एवं कार्य योजना के विकास पर जोर दिया है। इसके लिए संस्थान स्तर पर मानदंड विकसित किए गए हैं। कार्य योजना का मुख्य उद्देश्य है कि ए0ई0एस0 के मामले आने से पहले ही इसकी रोकथाम की पूरी तैयारी की जाए। इस हेतु पॉच आयामी रणनीति अपनायी गयी है, जिसमें एईएस के प्रकोप को रोकने के लिए बड़े पैमाने पर

364 (11)
22.4.15

जागरूकता अभियान, मामलों का सक्रियता से खोज, मामलों के प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत बनाना, कड़ी समीक्षा एवं निगरानी और मुफ्त सेवायें उपलब्ध कराना शामिल हैं ।

4. ए0ई0एस0/जे0ई0 फैलने के कारण की पहचान करने में बहुत सारी संस्थाएँ, शैक्षणिक संस्थान, शोध करने वाली संस्थाएँ साथ ही राज्य एवं जिला प्रशासन शामिल हैं। ए0ई0एस0/जे0ई0 पर एक कार्यशाला माननीय मुख्यमंत्री की उपस्थिति में एम्स, पटना के विशेषज्ञ, आर0एम0आर0आई0, बिहार सरकार के राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, यूनिसेफ, बिहार एवं अन्य डेवलपमेंट पार्टनर के प्रतिनिधि की उपस्थिति में की गई, जिसमें माननीय मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि एक उच्चस्तरीय समिति की स्थापना की जाय, जिसमें उच्च तकनीकि कर्मियों और विशेषज्ञों को शामिल किया जाय, जो राज्य सरकार को इस दिशा में उचित सुझाव दे सके।

5. **संरचना**

प्रधान सचिव, स्वास्थ्य, बिहार सरकार की अध्यक्षता में राज्य कोर कमिटि के सदस्यों की संरचना इस प्रकार होगी :–

1. प्रधान सचिव, स्वास्थ्य – अध्यक्ष
2. निदेशक, एम्स, पटना – सदस्य
3. निदेशक, मौसम विज्ञान विभाग – सदस्य
4. निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य विभाग, बिहार सरकार – सदस्य
5. निदेशक, आर.एम.आर.आई., पटना – सदस्य
6. विभागाध्यक्ष, शिशु विभाग–एस.के.एम.सी.एच., मुजफ्फरपुर एवं ए.एन.एम.एम.सी.एच,गया– सदस्य
7. डॉ0 जी०एस० सहनी, असिस्टेंट प्रोफेसर, शिशु विभाग, एस.के.एम.सी.एच., मुजफ्फरपुर–सदस्य
8. डॉ0 संजय, असिस्टेंट प्रोफेसर, तंत्रिका विज्ञान विभाग, पी.एम.सी.एच.,पटना
9. डॉ0 ए0 के0 ठाकुर, भूतपूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, शिशु विभाग, एन.एम.सी.एच., पटना
10. डॉ0 निगम प्रकाश नारायण, भूतपूर्व एसोसिएट प्रोफेसर, शिशु विभाग, पी.एम.सी.एच., पटना
11. डॉ0 एस0एन0 आर्या, सीनियर कंसलटेंट फिजीसियन
12. डॉ0 एस0पी0 श्रीवास्तव, भूतपूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पी.एम.सी.एच., पटना
13. डॉ० घनश्याम शेठ्ठी, यूनीसेफ – सदस्य
14. डॉ० एम०पी० शर्मा, एस०पी०ओ० (ए०ई०एस०/जे०ई०) – **सदस्य सचिव**
15. बी0एम0जी0एफ0, द्वारा नामित एक प्रतिनिधि (तकनीकी विशेषज्ञ) –सदस्य

6. **कार्य एवं उत्तरदायित्व**

6.1 **अनुसंधान गतिविधियों की अगुआई** :– राज्य कोर कमिटि का सबसे मुख्य दायित्व यह होगा कि यह बिहार सरकार के लिए थिंक टैंक के रूप में कार्य करेगी तथा मार्गदर्शन करेगी। कमिटि द्वारा अनुसंधान प्रकाशनों का विश्लेषण किया जायेगा तथा बीमारी फैलने के कारक एवं राष्ट्रीय और अंतर्राज्यीय रोकथाम के प्रयासों और किये जा रहे कार्यों के साथ समन्वय स्थापित किया जायेगा। यह

364(11)
22.4.15

सभी प्रकार के शोधों में समन्वय एवं संबंध स्थापित कर यह पता करेगी कि बिहार के परिप्रेक्ष्य में ए0ई0एस0/जे0ई0 होने का मुख्य कारण क्या है।

6.2. **मुजफ्फरपुर एवं गोरखपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के बीच में समन्वय स्थापित करना :–** बिहार के ए0ई0एस0/जे0ई0 के मामले गोरखपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में इलाज हेतु जाते हैं। राज्य कोर कमिटि यह प्रयास करेगी कि मुजफ्फरपुर एवं गोरखपुर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के बीच में प्रभावशाली समन्वय स्थापित हो और वहाँ हो रहे अच्छे पहल एवं मामलों का प्रबंधन किस तरह प्रभावशाली ढंग से किया जा रहा है, को देखा जाए।

6.3. **मानक संचालन प्रकिया (एस.ओ.पी.)/आपातकालीन तैयारियॉ एवं कार्य योजना (ई.पी.आर.पी.) का पुनः संशोधनः** – राज्य कोर कमिटि समय–समय पर मानक संचालन प्रक्रिया/आपातकालीन तैयारियॉ एवं कार्य योजना के पुनरीक्षण का कार्य करेगी। साथ ही शोध कार्यक्रम में प्रगति का भी अनुश्रवण करेगी। यह मानक संचालन प्रक्रिया/आपातकालीन तैयारियॉ एवं कार्य योजना में तकनीकि इनपुट देगी, ताकि यह अधिक मजबूत एवं प्रभावशाली बन सके। एईएस/जेई हेतु नीति निर्धारण में यह कमिटि बिहार सरकार की मदद करेगी।

6.4. **ए0ई0एस0 मामलों का लाईन लिस्टिंग एवं ट्रेकिंग :–** महामारी के बाद यह आवश्यक है कि लाईन लिस्टिंग की जाय। साथ ही पुनर्वास के मामलों का ट्रेकिंग किया जाय। इसके लिए मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के संबंधित अधीक्षक एक चिकित्सक को नामित व अधिकृत करेंगे, जिनके द्वारा ऐसे मामलों का लाईन लिस्टिंग किया जायेगा ।

6.5. **ए0ई0एस0/जे0ई0 प्रकोप की रोकथाम के लिए राष्ट्रीय एवं अर्न्तराज्य निकायों के साथ समन्वय स्थापित करना :–** यह कमिटि स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय स्तर के शोध नेटवर्क के साथ समन्वय स्थापित कर एईएस/जेई के महामारी पर प्रभावशाली रोकथाम का कार्य करेगी।

6.6. **ए0ई0एस0/जे0ई0 गतिविधियों की समीक्षा :–** कमिटि आपातकालीन तैयारियॉ एवं प्रतिक्रिया योजना के कार्यों की समीक्षा एवं निगरानी करेगी साथ ही जमीनी हालात के अनुरूप सिफारिशें भी करेगी। कमिटि ए0ई0एस0/जे0ई0 महामारी के दरम्यान आवश्यकतानुसार तथा जब महामारी न हो तो तीन महीने में एक बार बैठक करेगी ।

7. इस पूरे कार्यक्रम के अनुश्रवण एवं रोकथाम हेतु यूनिसेफ, पटना, बिहार सचिवालय के रूप में कार्य करेगा, जिसमें समन्वय Facilitation शोध कार्य, भ्रमण आदि के लिए व्यय का वहन यूनिसेफ द्वारा किया जायेगा।

आदेशः– आदेश दिया जाता है कि सर्वसाधारण की जानकारी हेतु इसे राज्य पत्र के असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय।

364(11)
22.4.15

22/4/15
संयुक्त सचिव,
स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना।

ज्ञापांकः– 11/एम0(विविध)–03/2015 364 (11) पटना, दिनांकः– 22.4.15

प्रतिलिपिः– अधीक्षक, राजकीय मुद्रणालय, गुलजारबाग, पटना को सी0डी0 कॉपी सहित इस निदेश के साथ प्रेषित कि इस संकल्प की 500 प्रतियों उपलब्ध कराई जाय।

प्रतिलिपिः– सभी सिविल सर्जन/सभी अधीक्षक, चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल/राज्य कार्यक्रम पदाधिकारी, (मलेरिया/कालाजार) स्वास्थ्य भवन, सुल्तानगंज, पटना को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

प्रतिलिपिः– निदेशक, मौसम विज्ञान विभाग /निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाएँ, बिहार सरकार/ माननीय मंत्री(स्वा0) के आप्त सचिव,/निदेशक, एम्स, पटना/निदेशक, आर.एम.आर.आई., पटना/विभागाध्यक्ष, शिशु विभाग–एस.के.एम.सी.एच., मुजफ्फरपुर एवं ए.एन.एम.एम.सी.एच,गया/डॉ0 जी०एस० सहनी, असिस्टेंट प्रोफेसर, शिशु विभाग, एस.के.एम.सी.एच., मुजफ्फरपुर/डॉ0 संजय, असिस्टेंट प्रोफेसर, तंत्रिका विज्ञान विभाग, पी.एम.सी.एच.,पटना/डॉ0 ए0 के0 ठाकुर, भूतपूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, शिशु विभाग, एन.एम.सी.एच., पटना/डॉ0 निगम प्रकाश नारायण, भूतपूर्व एसोसिएट प्रोफेसर, शिशु विभाग, पी.एम.सी.एच., पटना/डॉ0 एस0एन0 आर्या, सीनियर कंसलटेंट फिजीसियंन/डॉ0 एस0पी0 श्रीवास्तव, भूतपूर्व प्रोफेसर एवं विभागाध्यक्ष, पी.एम.सी.एच., पटना/डॉ० घनश्याम शेठ्ठी, यूनीसेफ/डॉ० एम०पी० शर्मा, एस०पी०ओ० (ए०ई०एस०/जे०ई०)/ बी0एम0जी0एफ0, द्वारा नामित एक प्रतिनिधि (तकनीकी विशेषज्ञ) को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

प्रतिलिपिः– माननीय मंत्री (स्वा0) के आप्त सचिव/प्रधान सचिव(स्वा0) के आप्त सचिव/सचिव(स्वा0) के आप्त सचिव को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रेषित।

22/4/15

संयुक्त सचिव,
स्वास्थ्य विभाग, बिहार, पटना।